SBI
AUTOMOTIVE OPPORTUNITIES FUND
An open-ended equity scheme following automotive & allied business activities theme

SBI MUTUAL FUND
A PARTNER FOR LIFE

SBI ऑटोमोटिव अपॉर्चुनिटीज़ फंड

जब आप गाड़ी चलाते हैं तब भारत आगे बढ़ता है

भारत के बढ़ते ऑटोमोटिव पारिस्थितिकी तंत्र से लाभ

मूल उपकरण निर्माता (OEM) | ऑटो एनसीलरीज़ | ऑटो निर्यात | विधुत गतिशीलता

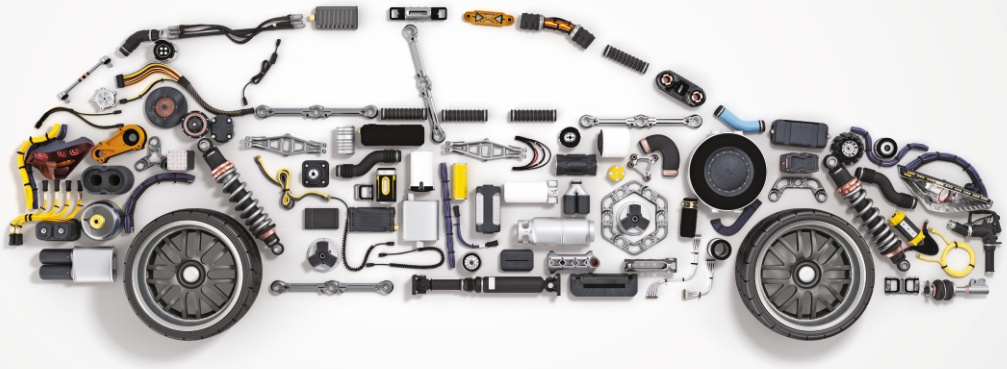

NFO अवधि: 17th मई - 31st मई -2024

ऑटोमोटिव और संबद्ध व्यावसायिक गतिविधियों की थीम का पालन करने वाली कंपनियों का वर्गीकरण, काफी हद तक AMFI उद्योग वर्गीकरणके मार्गदर्शन से होगी। अधिक जानकारी के लिए, योजना के सूचना दस्तावेज़ देखें।

भारतीय ऑटोमोटिव क्षेत्र में अवसर

बढ़ती प्रति व्यक्ति आय और युवा और कामकाजी उम्र की बढ़ती आबादी ने घरेलू बिक्री के संदर्भ में भारत को दुनिया का चौथा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार बनने में योगदान दिया है इसके अलावा, उत्पादन के मामले में भारत दुनिया में तीसरे सबसे बड़े ऑटोमोबाइल उद्योग के रूप में शुमार है। भारत के GDP में ऑटोमोटिव क्षेत्र की हिस्सेदारी जो 1992 में मात्र 2.8% थी, वो फरवरी 2023 तक बढ़कर 7.1% हो गई हैइस वृद्धि के कारण ऑटो एनसीलरीज़ क्षेत्र पर भी सकारात्मक प्रभाबखड़ा है जिसका कारोबार वित्त वर्ष 2016 में US$ 39.05 बिलियन से बढ़कर वित्त वर्ष 2023 में US US$ 69.70 बिलियन हो गया है।

*ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ACMA), IBEF

प्रमुख कारक - भारत की ऑटोमोटिव थीम में निवेश क्षमता

आय वृद्धि:

अमेरिका में प्रति 1000 लोगों पर कारों की संख्या 860 है, जर्मनी में यह 627 है जबकि चीन में यह संख्या223 है। इसके विपरीत, भारत में अभी भी प्रति 1000 लोगों पर लगभग 34 कारें हैं।

उद्योग विकास अनुमान:

भारत में ऑटोमोटिव उद्योग 2023 में $117 बिलियन से बढ़कर 2029 तक 188 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ने काअनुमान है (स्रोत: मोर्डोर इंटेलिजेंस)। ऑटो कंपोनेंट सेक्टर वर्तमान में 71 बिलियन अमेरिकी डॉलर पर है, वित्त वर्ष 2029 तक130 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।(स्रोत: रिकार्डो विश्लेषण)।

ईवी बाज़ार का विकास:

भारत में ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) बाजार 2023 में 5.61 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2028 तक 37.7 बिलियनडॉलर होने का अनुमान है,(स्रोत: मोर्डोर इंटेलिजेंस)।

वाहन क्रेडिट विस्तार:

आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, वाहन वित्त व्यक्तिगत और व्यावसायिक ऋण के सबसे बड़े ऋण खंडों में से एक है। आज कीतारीख में कुल वाहन ऋण पुस्तिका लगभग 15 ट्रिलियन रुपये है, और यह पिछले कुछ वर्षों में मध्य से उच्च किशोरावस्था में बढ़रही है।

सरकारी नीतियां और पहल:

उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (PLI) योजना, 100% FDI भत्ता, ऑटोमोटिव मिशन योजना (AMP) 2016-26, वाहन स्क्रैपेज नीति (2021 में लॉन्च), और हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने और विनिर्माण (FAME) योजना जैसी नीतियां शामिल हैं। उद्योग के विकास और नवप्रवर्तन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

बेंचमार्क का प्रदर्शन

निफ्टी ऑटो TRI इंडेक्स, जिसमें 16 स्टॉक्स शामिल हैं, ऑटोमोटिव थीम के प्रतिनिधि के रूप में लिया गया है। यह सूची ऑटो संबं-धित क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व करती है जैसे कि ऑटोमोबाइल्स 4 व्हीलर्स, ऑटोमोबाइल्स 2 और 3 व्हीलर्स, ऑटो एंसिलेरीजऔर टायर्स।

निफ्टी ऑटो TRI में निवेश की गई **INR 1000** की मूल्य वृद्धि से **INR 29,303** हो गई होती, जो कि **18.1%** की **CAGR** कोप्रतिनिधित्व करती है। यह निवेश **20** साल में **29** गुना हो जाता!

CAGR रिटर्न्स	1 साल	3 साल	5 साल	10 साल	आरंभ से
Nifty Auto TRI	71.7%	33.9%	23.3%	15.5%	18.1%
Nifty 50 TRI	26.5%	16.9%	15.3%	14.3%	14.1%
Nifty 500 TRI	39.3%	20.5%	18.0%	16.15%	15.1%

स्रोत: NSE इंडिसेस। 30 अप्रैल, 2024 तक का डेटा है। सिंसे इन्सेप्शन रिटर्न कंप्यूटेड जनवरी 01, 2004 से हैं सभी इंडिसेस के लिए जो कि निफ्टी ऑटोTRI की ससि इन्सेप्शन डेट है। अतीत परदर्शन भवष्यि में बना रहेगा या नहीं बना रहेगा, यह नरिधारति नहीं कयिा जा सकता। कंप्यूटेड रटिर्न्सCAGR आधार पर हैं। NSE इंडसिस पर अस्वीकृरता े लएि कृपया लीफलेट के आखरी पृष्ठ पर देखें।

SBI ऑटोमोटिव अपॉर्चुनिटीज़ फंड के बारे में

निवेश उद्देश्य

स्कीम का निवेश उद्देश्य यह है कि यूनिट होल्डर्स को ऑटोमोटिव और संबंधित व्यापारिक गतिविधियों में लगी कंपनियों के इक्विटी और इक्विटी संबंधित उपकरणों में निवेश किए गए पोर्टफोलियो से यूनिट होल्डर्स को लंबे समय तक पूंजी का वृद्धि करना है। हालांकि, स्कीम के निवेश उद्देश्य को प्राप्त किया जाएगा का कोई आश्वासन नहीं हो सकता।

फंड प्रबंधक*
श्री तन्मय देसाई

श्रेणी
विषयगत

न्यूनतम आवेदन
₹ 5000/- और उसके बाद ₹ 1 के गुणक में

प्रथम स्तरीय बेंचमार्क सूचकांक
निफ्टी ऑटो TRI

न्यूनतम मासिक SIP
न्यूनतम ₹ 500/- और ₹ 1 के गुणक में

निकासी लोड

- लगातार आधार पर: लागू NAV का 1 यदि यूनिट खरीदी या स्विच की गई हैं या फंड की किसी अन्य योजना से रिडीम या स्विच किया गया है तो या तो आवंटन तारीख से 1 साल पहले।
- शून्क यदि यूनिट खरीदी या स्विच की गई हैं या फंड की किसी अन्य योजना से रिडीम या स्विच किया गया है तो या आवंटन तारीख से 1 साल बाद।

विवरण के लिए कृपया योजना सूचना दस्तावेज़ (SID) देखें। *श्री प्रदीप केसवन विदेशी प्रतिभूतियों के लिए समर्पित फंड मैनेजर हैं।

निधि के लिए निवेश विश्व

मूल उपकरण निर्माता (OEMs):

इनमें वे कंपनियां शामिल हैं जो अपने ब्रांड नामों के तहत सभी प्रकार के पूर्ण वाहन डिज़ाइन, विनिर्माण और बेचतीहैं और अक्सर अपनी निर्माण सुविधाओं या असेंबली लाइनों के साथ होती हैं।OEM को नमिनलखिति में वर्गीकृत कयिा जा सकता है - दो-पहया, तीन-पहयिा, यात्री वाहन, वाणज्ियकिवाहन, ट्रैक्टर, ऑफ-हाईवे, और निर्माण उपकरण निर्माता।

ऑटो कॉम्पोनेंट निर्माताएं:

विभिन्न भागों का उत्पादन करना, जैसे कि इंजन, इलेक्ट्रिक, ट्रांसमिशन, स्टीयरिंग, सस्पेंशन, ब्रेकिंग पार्ट्स, साथही टायर और बैटरी।

इलेक्ट्रिक मोबिलिटी:

उत्सर्जन कमी और अर्थव्यवस्था में सुधार के कारण ईवी को बढ़ावा मिल रहा है। ईवी ओईएम और ईवी-विशेषितभागों पर विशेषज्ञ ऑटो वाहक और कॉम्पोनेंट निर्माताओं के लिए अवसर मौजूद हैं जैसे मोटर, नियंत्रक, बैटरीऔर कूलिंग सिस्टम।

निर्यात संभावना:

विभिन्न ऑटोमोटिव उप-खंड महत्वपूर्ण निर्यात क्षमता प्रदान करते हैं। भारत बड़े पैमाने पर अर्थव्यवस्था हासिल करने के लिए अपने बड़े घरेलू बाजार का लाभ उठा सकता है, खासकर फोर्जिंग, कास्टिंग और ऑफ-हाईवे टायर जैसे क्षेत्रों में।

निवेश यूनिवर्स कई क्षेत्रों से मिलता है। यह एक संकेतक सूची है कृपया विस्तार सेक्टर के लिए SID का संदर्भ दें। कंपनियों की श्रेणीकरण ऑटोमोटिवऔर संबंधित व्यापार गतिविधियों का पालन करने वाले कंपनियों के लिए मुख्य रूप से AMFI मूल उद्योग वर्गीकरण द्वारा निर्देशित होगा।

कौन निवेश कर सकता है

- निवेशक अपने समग्र इक्विटी पोर्टफोलियो के भीतर विकास के अवसरों में वृद्धिशील आवंटन करना चाहते हैं।
- निवेशक जो घरेलू और विदेशी बाजारों में ऑटोमोटिव मांग की दीर्घकालिक वृद्धि की कहानी पर लाभ उठाने की तलाश में हैं।
- ।निवेशक ऑटोमोटिव थीम के अंतर्गत अच्छी तरह से शोधित गुणवत्ता वाले शेयरों के पोर्टफोलियो में निवेश करना चाहते हैं।

Scheme Riskometer:	This product is suitable for investors who are seeking^:	First Tier Benchmark Riskometer: Nifty Auto TRI
Investors understand that their principal will be at very high risk	• Long - term capital appreciation. • Investment in equity and equity related instruments of companies engaged in and/or expected to benefit from the growth in automotive & its allied business activities theme. ^Investors should consult their financial advisers if in doubt about whether the products is suitable for them.	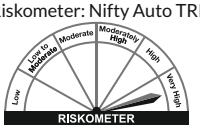 The benchmark riskometer is at Very High risk

All information contained herewith is provided for reference purpose only. NSE Indices Limited (formerly known as India Index Services & Products Limited-IISL) ensures accuracy and reliability of the above information to the best of its endeavors. However, NSE Indices Limited makes no warranty or representation as to the accuracy, completeness or reliability of any of the information contained herein and disclaim any and all liability whatsoever to any person for any damage or loss of any nature arising from or as a result of reliance on any of the information provided herein. The information contained in this document is not intended to provide any professional advice.